प्रस्तावना

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय विभिन्न जल संरक्षण कार्यक्रमों को संचालित करने में पूरी तत्परता से कार्यरत है जैसे कि कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन कार्यक्रम, जल निकायों की मरम्मत, नवीकरण और उद्धार, वर्षा जल संचयन और भू–जल प्रबंधन।

राष्ट्रीय जल नीति (2012) नदियों, नदी के गलियारों, जल निकायों और संरचनात्मक ढांचों का सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता द्वारा वैज्ञानिक दृष्टि से योजनाबद्ध होकर संरक्षण करने की सिफारिश करती है। आइईसी योजना का मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों के विकास, प्रबंधन और संरक्षण के महत्व के बारे में विभिन्न लक्षित समूहों के बीच जागरूकता पैदा करना है।

'जल संरक्षण के लिए जागरूकता' और मुख्य प्रशिक्षकों को सशक्त बनाने को लेकर आइईसी के कार्यक्रम को निर्बाध बनाने के लिए क्षमता निर्माण की आवश्यकता थी। 'जल संरक्षण जागरूकता' के इस प्रशिक्षण मैनुअल को क्षमता निर्माण पहल और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण और प्रबंधन के सिद्धांतों, तकनीकों और प्रक्रियाओं की समझ व क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन हेतु तैयार किया गया है।

इसमें प्रयास किया गया है कि 3–5 दिनों का एक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया जाए जिसका प्रयोग जागरूकता पैदा करने, वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और जल से जुड़े मुद्दों पर समाज में बुद्धिमतापूर्ण निर्णय लेने की क्षमता का निर्माण करने के लिए बड़ी संख्या में मुख्य प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाएगा।

राष्ट्रीय महत्व के अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर इस प्रशिक्षण मैनुअल को तैयार करने के लिए मैं राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान की टीम को बधाई देती हूं। मेरी यह कामना है कि यह मैनुअल अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचेगा और अपने उद्देश्य को पूरा करेगा।

(सुश्री उमा भारती)
माननीय मंत्री, जल संसाधन
नदी विकास और गंगा संरक्षण